साप्ताहिक
Live not just breaTHE

दि कार्मिक पोस्ट

MPHIN/2015/63220
MP/IDC1528/22-23

Global School Of Excellence, Obedullaganj

वर्ष : 10, अंक : 44 (प्रति बुधवार), इन्दौर, 4 जून 2025 से 10 जून 2025 पेज : 8 कीमत : 3 रुपये

जलवायु परिवर्तन और नाइट्रस ऑक्साइड उत्सर्जन से बढ़ रहा है ओजोन प्रदूषण

हांगकांग दुनिया भर में ओजोन प्रदूषण एक बहुत बड़ी पर्यावरणीय समस्या बनी हुई है, जो न केवल मनुष्य के स्वास्थ्य और फसल उत्पादन को खतरे में डालती है, बल्कि ग्लोबल वार्मिंग को भी बढ़ाती है। ओजोन के निर्माण के लिए अक्सर मानवजनित प्रदूषकों को जिम्मेदार ठहराया जाता है, यहां मिट्टी से होने वाले उत्सर्जन को एक और बड़े स्रोत के रूप में सामने लाया गया है।

हांगकांग पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी (पॉलीयू) के शोधकर्ताओं ने 1980 से 2016 तक दुनिया भर में मिट्टी में नाइट्रस एसिड (एचओएनओ) के उत्सर्जन के आंकड़ों की जांच-पड़ताल की है। साथ ही उन्हें एक रसायन विज्ञान-जलवायु मॉडल में शामिल किया है, ताकि हवा में ओजोन मिश्रण अनुपात की वृद्धि और वनस्पति पर इसके बुरे प्रभाव में मिट्टी से होने वाले एचओएनओ उत्सर्जन की अहम भूमिका का खुलासा किया जा सके। पिछले अध्ययनों में पाया गया है कि मिट्टी से निकलने वाले एचओएनओ उत्सर्जन का वायुमंडलीय एचओएनओ मिश्रण अनुपात में 80 फीसदी तक के लिए जिम्मेवार है। वायुमंडल में मौजूद अन्य प्रदूषकों के साथ एचओएनओ की परस्पर क्रिया ओजोन के रासायनिक उत्पादन के लिए जरूरी है। एचओएनओ अपने पूर्ववर्ती नाइट्रोजन ऑक्साइड (एनओएक्स) की मात्रा को बढ़ाकर ओजोन निर्माण को भी बढ़ावा देता है। शोध में कहा गया है कि शोधकर्ताओं ने दुनिया भर के विविध पारिस्थितिकी तंत्रों से मिट्टी के एचओएनओ उत्सर्जन की माप का एक डेटासेट तैयार किया है और उत्सर्जन द्वारा लाए गए प्रभाव को मापने के लिए एक मात्रात्मक पैरामीटरीकरण योजना का बीड़ा उठाया है। इस शोध ने मिट्टी के तापमान और मिट्टी में पानी की मात्रा जैसे जलवायु कारणों और उर्वरक के प्रकार और खाद डालने की दरों सहित कई बदलने वाली चीजों को एकीकृत करके व्यापक डेटासेट माप को संभव बनाया है। सूक्ष्मजीवों की गतिविधियों, भूमि उपयोग और मिट्टी की बनावट जैसे अन्य कारणों के लिए, शोधकर्ताओं ने संबंधित मिट्टी के नमूनों के अक्षांश, देशांतर और भूमि उपयोग के आंकड़ों के आधार पर अलग-अलग पैरामीटर लागू किए हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि मिट्टी में एचओएनओ उत्सर्जन 1980 में 9.4 टेराग्राम नाइट्रोजन से बढ़कर 2016 में 11.5 टेराग्राम नाइट्रोजन हो गया है। वायुमंडलीय संरचना पर इन उत्सर्जनों के प्रभाव का अनुकरण करने के लिए रसायन विज्ञान-जलवायु मॉडल का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने वैश्विक सतह ओजोन मिश्रण अनुपात में सालाना औसतन 2.5 फीसदी की वृद्धि का पता लगाया, जिसमें स्थानीय वृद्धि 29 फीसदी तक पहुंच गई। इस तरह की वृद्धि से वनस्पतियों का ओजोन के संपर्क में आना बढ़ सकता है, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र संतुलन और खाद्य फसलों के उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसके अलावा ओजोन के कारण वनस्पतियों की कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने की क्षमता कम हो जाएगी, जिससे ग्रीनहाउस प्रभाव और भी बढ़ जाएगा। उत्तरी गोलार्ध दुनिया भर में उत्सर्जन में दो-तिहाई के लिए जिम्मेदार है, जिसमें एशिया सबसे बड़ा उत्सर्जक है, जो कुल उत्सर्जन का 37.2 फीसदी है। उत्सर्जन हॉटस्पॉट मुख्य रूप से भारत, पूर्वी चीन, मध्य उत्तरी अमेरिका, यूरोप, अफ्रीकी सवाना और दक्षिण अमेरिका के कृषि क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है। मिट्टी की प्रतिक्रियाशील ऑक्सीकृत नाइट्रोजन उत्सर्जन और वायुमंडलीय संरचना, वायु गुणवत्ता और वनस्पति पर उनका प्रभाव मिट्टी की प्रतिक्रियाशील ऑक्सीकृत नाइट्रोजन उत्सर्जन और वायुमंडलीय संरचना, वायु गुणवत्ता और वनस्पति पर उनका प्रभावस्रोत= नेचर कम्युनिकेशंस कम प्रदूषण करने वाले क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं ओजोन मिश्रण अनुपात की वृद्धि पर मिट्टी के एचओएनओ उत्सर्जन का प्रभाव कम मानवजनित उत्सर्जन वाले क्षेत्रों में अधिक होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ओजोन का निर्माण हवा में इसके पूर्ववर्ती, एनओएक्स और वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (वीओसीएस) की मात्रा से जुड़ा हुआ है। आमतौर पर एनओएक्स की मात्रा कम होती है जबकि वीओसीएस की मात्रा कम मानवजनित उत्सर्जन वाले क्षेत्रों में अधिक होती है, जिससे ये क्षेत्र मुख्य रूप से एनओएक्स सीमित शासन में आते हैं, जहां ओजोन एनओएक्स के प्रति अधिक संवेदनशील होता है। इस प्रकार एनओएक्स की मात्रा में वृद्धि से ओजोन के स्तर में अधिक वृद्धि होती है। जलवायु परिवर्तन और उर्वरकों के बढ़ते उपयोग से मिट्टी से नाइट्रस एसिड (एचओएनओ) उत्सर्जन में लगातार वृद्धि होगी नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित शोध पत्र में शोधकर्ता के हवाले से कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन और उर्वरकों के बढ़ते उपयोग से मिट्टी के एचओएनओ उत्सर्जन में लगातार वृद्धि होगी, जो मानवजनित उत्सर्जन में कमी से अपेक्षित कुछ फायदों मजबूत पैरामीटराइजेशन योजना के विकास में, शोधकर्ताओं ने उन्नत मॉडलिंग तकनीकों और अलग-अलग डेटासेट को एक साथ जोड़ा, जिसमें 110 पिछले प्रयोगशाला प्रयोगों से दुनिया भर में मिट्टी में एचओएनओ उत्सर्जन माप के आंकड़े, शोध और अनुप्रयोग संस्करण दो (मेर्रा 2) दोबारा विश्लेषण के लिए आधुनिक युग पूर्वव्यापी विश्लेषण से हासिल किए गए आंकड़े शामिल हैं।

आंधी-बारिश से फसलों को 40 प्रतिशत तक नुकसान

भोपाल मई की शुरुआत से ही मौसम के बिगड़े मिजाज ने मध्य प्रदेश के किसानों को चिंता में डाल दिया है। नौतपा के दौरान जहां भीषण गर्मी की उम्मीद की जा रही थी, वहां तेज आंधी और असमय बारिश ने फसलों को व्यापक नुकसान पहुंचाया है। विशेषकर मालवा और निमाड़ अंचलों में प्याज, मूंग, केला और पान की फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। खेतों में जलभराव और तेज हवाओं के चलते 10 से 40 प्रतिशत तक फसलें नष्ट हो गई हैं।

भारतीय किसान संघ के प्रांतीय प्रचार-प्रसार प्रमुख गोवर्धन पाटीदार के अनुसार देवास जिले में प्याज की फसल को करीब 30 प्रतिशत और मूंग को 35 प्रतिशत तक नुकसान हुआ है। जिले में प्याज की खेती लगभग 24 हजार हेक्टेयर और मूंग की खेती 30-35 हजार हेक्टेयर में होती है। कृषि उपसंचालक गोपेश पाठक ने बताया कि उद्यानिकी विभाग प्याज के नुकसान की जानकारी जुटा रहा है, जबकि कृषि विभाग मूंग की फसल के नुकसान का आकलन कर रहा है।

यहां मूंग की फसल को 15 प्रतिशत और प्याज को 10 प्रतिशत तक नुकसान हुआ है। भारतीय किसान संघ के संभागीय अध्यक्ष श्याम पवार ने बताया कि कई जगह फसल कटने के बाद भी नुकसान हो गया। कृषि उपसंचालक एसएस राजपूत ने कहा कि नुकसान की जानकारी ली जा रही है। शाजापुर जिले में 10500 हेक्टेयर क्षेत्र में प्याज की फसल हुई थी। भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष सवाई सिंह सिसोदिया के अनुसार प्याज को 30-40 प्रतिशत और मूंग को 15-20 प्रतिशत तक नुकसान पहुंचा है। कृषि विभाग द्वारा फसल नुकसान का आंकलन किया जा रहा है। यहां मूंग और प्याज की फसल को 40 प्रतिशत तक नुकसान पहुंचा है। संयुक्त कृषक संगठन के जिलाध्यक्ष नरेंद्र पटेल ने बताया कि प्याज भीगने से सडऩे लगा है और मूंग के खेतों में जलभराव से अंकुरण शुरू हो गया है। एडीएम काशीराम बड़ोले ने बताया कि किसानों ने सर्वे की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा है, और विभागों को कार्रवाई के निर्देश दे दिए गए हैं।

बुरहानपुर जिले में मंगलवार को आई आंधी और बारिश से 200 एकड़ में फैली केले की फसल को नुकसान पहुंचा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रभावित गांवों में तत्काल सर्वे के निर्देश देते हुए कहा है कि रिपोर्ट के आधार पर किसानों को उचित सहायता दी जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार आपदा की स्थिति में अन्नदाताओं के साथ खड़ी है। मंदसौर जिले के भानपुरा क्षेत्र में पान की खेती करने वाले किसानों को तेज आंधी ने आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाया है। पान की पनवाडिय़ां हवा में उड़ गईं और खेतों में तबाही मच गई। यहां भी किसानों ने प्रशासन से फसल सर्वे की मांग की है। कई जिलों में प्रशासन ने सर्वे कार्य प्रारंभ कर दिए हैं। मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित विभागों को किसानों की समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए हैं। किसानों को प्राकृतिक आपदा राहत राशि देने की प्रक्रिया रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी। मध्य प्रदेश में कई सिस्टम एक्टिव होने की वजह से प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्र में लगातार आंधी-बारिश का दौर चल रहा है। नौतपा के छठवें दिन, शुक्रवार को मौसम विभाग ने भोपाल, ग्वालियर-जबलपुर समेत 36 जिलों में अलर्ट जारी किया है। नरसिंहपुर समेत 6 जिलों में आंधी की रफ्तार 60 किमी प्रति घंटा तक रहेगी। इससे पहले गुरुवार को 10 से ज्यादा जिलों में तेज आंधी और बारिश का दौर जारी रहा। मौसम विभाग की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, अभी मध्यप्रदेश के ऊपर से एक टर्फ गुजर रही है। वहीं, दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) भी एक्टिव है। इस वजह से प्रदेश में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। आज इन जिलों में अलर्ट- शुक्रवार को नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में तेज आंधी के साथ बारिश होने का अलर्ट है। आंधी की रफ्तार 60 किमी प्रति घंटा या इससे अधिक भी रह सकती है। भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, राजगढ़, शाजापुर, देवास, हरदा, बैतूल, नर्मदापुरम, रायसेन, विदिशा, अशोकनगर, शिवपुरी, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी, उमरिया, कटनी और मैहर में भी तेज आंधी और बारिश का अलर्ट है चार प्रणालियों का असर- मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में पश्चिम बंगाल एवं उससे लगे बांग्लादेश पर अवदाब का क्षेत्र बना हुआ है। इसके अलावा पश्चिमी राजस्थान और उत्तर प्रदेश के ऊपर हवा के ऊपरी हिस्से में चक्रवात बने हुए हैं। एक द्रोणिका दक्षिण-पूर्वी राजस्थान से होकर पश्चिम बंगाल तक फैली हुई है।

जल जीवन मिशन से केंद्र ने खींचे हाथ

7.5 लाख घरों में पानी सप्लाई की लागत वहन करने से किया इनकार

भोपाल (एजेंसी)मप्र में 51,548 हजार गांवों के 1.11 करोड़ घरों में पाइप लाइन बिछाकर पेयजल पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना की राह में बजट रोड़ा बन गया है। जल जीवन मिशन में प्रदेश के एक-एक गांव के प्रत्येक घर तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन प्रदेश में करीब 8 हजार मजरे-टोलों के 7.50 लाख घर जल जीवन मिशन में शामिल होने से छूट गए। विभाग ने जुलाई, 2024 में इन मजरे टोलों में नल से पानी सप्लाई किए जाने को लेकर 2500 करोड़ रुपए का प्रस्ताव तैयार कर केंद्र को भेजा था। केंद्र से 50 प्रतिशत राशि देने का अनुरोध किया गया था। लेकिन केंद्र ने अपने हिस्से के 1250 करोड़ रूपए देने से मना कर दिया है। अत- अब यह राशि मप्र को अकेली की वहन करनी पड़ेगी।

गौरतलब है कि जल जीवन मिशन को 2019 में शुरू किया गया था। इसे 3.60 लाख करोड़ की लागत से कार्यांवित किया जा रहा है, जिसमें केंद्र सरकार की तरफ से 2.08 लाख करोड़ और राज्यों की तरफ से 1.52 लाख करोड़ का योगदान है। यह मिशन अपने लक्ष्य को पूरा करने की राह पर है। मिशन का लक्ष्य केवल सभी के लिए सुरक्षित पेयजल पहुंचाना है। पिछले साल अक्टूबर में आई एक रिपोर्ट में कहा गया था कि पिछले पांच वर्षों में भारत में ग्रामीण परिवारों के लिए नल के पानी के कनेक्शन में पांच गुना की वृद्धि हुई है। अक्तूबर 2024 तक नल कनेक्शन वाले ग्रामीण परिवारों की संख्या बढकऱ 15.20 करोड़ हो गई। मिशन के लॉन्च के दौरान केवल 3.23 ग्रामीण परिवारों के पास ही नल का कनेक्शन था, लेकिन वर्तमान समय में इसमें पांच गुना वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में बताया गया, 10 अक्टूबर 2024 तक जेजेएम के तहत 11.96 अतिरिक्त घरों को नल का कनेक्शन प्रदान किया गया। इसी के साथ अब मौजूदा समय में 15.20 करोड़ ग्रामीण परिवार नल के कनेक्शन का लाभ उठा रहे हैं। प्रदेश में अभी 8 हजार गांवों में नल से जल पहुंचाना है। केंद्र सरकार ने प्रदेश में जल जीवन मिशन में छूटे करीब 8 हजार गांव (मजरे-टोलों) के 7.5 लाख घरों में पानी सप्लाई की लागत वहन करने से इनकार कर दिया है। केंद्र के इनकार करने के बाद लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग इस मामले को लेकर मुख्य सचिव के पास पहुंचा। अधिकारियों ने इस संबंध में मुख्य सचिव के समक्ष प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठकें कीं और प्रस्ताव को आगे बढ़ाने पर सहमति दे दी। इन गांवों तक नल से जल पहुंचाने पर करीब 2500 करोड़ रुपए खर्च होंगे। यह पूरी राशि मप्र सरकार वहन करेगी। साथ ही मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन का रिवीजन कर देखें कि और कितने गांव जल जीवन मिशन में शामिल होने से छूट रहे हैं, उन्हें भी मिशन में शामिल करें। जल्द ही इस संबंध में प्रस्ताव को कैबिनेट की बैठक में आएगा। अधिकारियों का कहना है कि जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश में 51 हजार से ज्यादा गांवों में नल से जल की सप्लाई की जानी है। मिशन में एकल नल जल योजनाओं की संख्या 27 हजार 990 है। इनका 90 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। दिसंबर, 2025 तक एकल नल-जल योजनाओं का काम पूरा करने का लक्ष्य तय किया है।

ज्वेलर्स की दुकान से महिला ने उड़ाई पायल और सोने की अंगूठी

इंदौर सराफा थाना क्षेत्र में एक महिला ने ज्वेलर्स की दुकान से साढ़े पांच ग्राम की सोने की अंगूठी पर हाथ साफ कर दिया। बड़ा सराफा के व्यापारी सुधीर कपूर ने बताया, महिला जेवर खरीदने के बहाने आई थी। उसे कुछ जेवर दिखाए, लेकिन कुछ पसंद नहीं आया। कुछ देर बाद बोली आपका कार्ड दे दो, मैं कल खरीदने आऊंगी। शाम को हिसाब मिलवाया तो सोने की करीब 55 हजार की अंगूठी और 17 हजार की दो जोड़ी पायल नहीं थी। सीसीटीवी फुटेज में महिला अंगूठी निकालती दिखी। इसके बाद थाने पर शिकायती आवेदन दिया है। एसीपी हेमंत चौहान ने बताया, कपूर ज्वेलर्स चोरी की सूचना मिली है। टीम को आरोपी की तलाश में लगा दिया है। जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा।

बलात्कार कर बनाए वीडियो, चार लाख वसूले, केस दर्ज

इंदौर (नगर प्रतिनिधि)राजेंद्र नगर पुलिस को 23 वर्षीय पीड़िता ने सोशल मीडिया फ्रेंड के खिलाफ गंभीर शिकायत दर्ज करवाई है। पीड़िता ने मित्र दानिश (29) पिता सरताज पर बलात्कार, अश्लील फोटो, वीडियो वायरल कर धमकाने व ब्लैकमेल कर चार लाख वसूली का केस दर्ज करवाया है।

थाना प्रभारी नीरज बिरथरे ने बताया, पीड़िता का आरोप है कि 27 अप्रेल 2024 को दानिश से उसकी सामाजिक कार्यक्रम में मुलाकात हुई थी। दोनों की बातचीत इंस्टाग्राम पर बढ़ने लगी। धीरे-धीरे बात प्रेम प्रसंग तक पहुंच गई। आरोपी मानसिक दबाव डालकर मिलने बुलाता था। एक दिन विजय नगर की होटल में शादी का झांसा देकर बलात्कार किया। इस दौरान आपत्तिजनक फोटो-वीडियो बना लिए।

खुदकुशी का प्रयास

पीड़िता का आरोप है, जनवरी 2025 से आरोपी शादी का आश्वासन देता रहा, फिर एक दिन सोशल मीडिया और मोबाइल से ब्लॉक कर दिया। साथ ही कहा कि वह शादी नहीं करेगा। खुदकुशी के लिए उकसाने के बाद फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी दी। प्रताड़ना से तंग आकर खुदकुशी का प्रयास भी किया था। इसके बाद भी आरोपी ने धमकी दी कि उसकी चैट, फोटो-वीडियो व रिकॉर्डिंग हटा दें, नहीं तो परिवार को भी नुकसान पहुंचाएगा। शिकायत को गंभीरता लेकर बलात्कार सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है।

सरकारी स्कूलों में सीसीएलई गतिविधियों को दिया जायेगा बढ़ावा

विद्यार्थियों के लिय 21वीं शताब्दी के कौशल अर्जित करने पर जोर

भोपाल प्रदेश में सरकारी स्कूलों में कन्टीन्यूअस एण्ड कॉम्प्रेंसिव ईवेल्युएशन (सीसीएलई) गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विद्यार्थियों के लिये 21वीं शताब्दी के कौशल अर्जित करने पर जोर दिया गया है। इस बात को ध्यान में रखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग सरकारी हाई और हायर सेकण्डरी स्कूलों में सीसीएलई कार्यक्रम अर्थात सतत् एवं व्यापक अधिगम एवं मूल्यांकन कार्यक्रम के रूप में संचालित कर रहा है।

सीसीएलई गतिविधियों के अंतर्गत प्रति सप्ताह होने वाले लेखन कौशल, वक्तव्य कौशल, प्रश्नोत्तरी कौशल, दृश्य और प्रदर्शन कला पर केन्द्रित गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में मदद करती हैं। नये शैक्षणिक सत्र 2025-26 में ग्रीष्म अवकाश के बाद बाल सभा प्रत्येक शनिवार को पूर्वानुसार प्रथम 3 कालखण्ड में संचालित होगी। वर्ष 2024-25 में सीसीएलई गतिविधियों की राज्य स्तर पर मॉनिटरिंग के लिये विमर्श पोर्टल पर मॉड्यूल निर्माण किया गया था। प्रदेश में वर्तमान में 369 सर्वसुविधा युक्त सांदीपनि विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। पूर्व में यह विद्यालय सीएम राइज स्कूल के नाम से जाने जाते थे। वर्ष 2025 में 150 नये सांदीपनि विद्यालय संचालित होंगे। प्रदेश में सरकारी स्कूलों को सर्वसुविधा सम्पन्न कर विद्यार्थियों को रोचक एवं आनंद दायक शिक्षा प्रदान करने और उनके सर्वांगीण विकास करने के उद्देश्य से पहले चरण में 276 सांदीपनि विद्यालय शुरू किये गये थे। सांदीपनि विद्यालयों में उत्कृष्ट भवन एवं अधोसंरचना विकसित किये जाने का कार्य निरंतर प्रगतिशील है। इन विद्यालयों में निकटस्त 10 से 15 किलोमीटर की दूरी के विद्यार्थियों को स्कूल में लाने के लिये परिवहन व्यवस्था भी प्रारंभ की गई है।

डीजीएम विद्युत वितरण कंपनी की 2 वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश

भोपाल ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर गत रात्रि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के गोविन्दपुरा स्थित काल सेंटर का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का समय पर निराकरण नहीं करने पर डीजीएम मुरैना श्री अभिषक चौरसिया की 2 वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिये। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कॉल सेंटर से ही डीजीएम भोपाल सिटी ईस्ट जोन और डीजीएम रायसेन से भी बात कर समस्याओं के निराकरण में देरी पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। भिण्ड जिले के गोरमी गाँव के उपभोक्ता श्री नरेन्द्र सिंह से भी बात कर उनकी समस्या के संबंध में जानकारी ली। श्री तोमर ने निर्देशित किया कि कॉल सेंटर के हेल्पलाइन नम्बर 1912 में कॉल वेटिंग नहीं होना चाहिए। कॉल सेंटर प्रभारी ने बताया कि सामान्यतः एक घंटे में 300 से 350 फोन काल आते हैं। उन्होंने स्काडा सेंटर और स्मार्ट मीटर मानीटरिंग सेंटर का भी निरीक्षण किया।

ई केवाइसी करवाना अनिवार्य

बड़वानी. अंजड़ में इंडेन गैस एजेंसी द्वारा घरेलू गैस कनेक्शन धारी उपभोक्ताओं से ई केवाइसी करवाने का कार्य किया जा रहा है। घरेलू गैस कनेक्शन धारी उपभोक्ताओ को 31 अगस्त तक ई केवाइसी करवाना अनिवार्य है। इसके बाद उन्हें सिलेंडर नहीं दिया जाएगा।

इसके लिए नगर परिषद एवं गैस एजेंसी द्वारा डिलेवरी वाहन के माध्यम से नगर तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में मुनादी करवा कर सूचना भी दी जा रही है, ताकि उपभोक्ताओं को भविष्य में किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो। गैस एजेंसी के संचालक ने बताया कि इंडेन गैस से प्राप्त दिशा निर्देशानुसार जिन घरेलू गैस कनेक्शन धारी उपभोक्ताओं का ई केवाइसी नहीं हुआ है, उन्हें 31 अगस्त तक ई केवाइसी करवाना अनिवार्य है। इसके बाद घरेलू गैस कनेक्शन धारियों को गैस सिलेंडर नही दिया जाएगा। उज्ज्वला गैस कनेक्श धारियों के करीब 80 प्रतिशत तक ई केवाइसी का कार्य हो चुका है। जबकि सामान्य कनेक्शन धारियों का करीब 40 प्रतिशत ही ई केवाइसी का कार्य हुआ है। सामान्य घरेलू कनेक्शन धारियों के बचे 60 प्रतिशत एवं उज्ज्वला गैस कनेक्शन धारियों के शेष ई केवाइसी का कार्य जारी है। गैस एजेंसी संचालक ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं का ई केवाइसी नहीं हुआ। उसे स्वयं गैस एजेंसी ऑफिस में आना होगा। साथ में डायरी तथा आधार कार्ड भी लाना होगा। इसके बाद गैस एजेंसी कर्मचारी थंब लगवाकर या फेश रीडिंग से ई केवाइसी करवाई जाएगी। गैस एजेंसी ऑफिस का समय सुबह 9.30 से दोपहर 12 तक एवं दोपहर 1.30 से शाम 5 बजे तक खुला रहता है। रविवार को अवकाश रहता है। इस बीच गैस कनेक्शन धारी गैस एजेंसी के ऑफिस में ई केवाइसी का कार्य करवा सकते है।

ब्रह्मपुरी घाट पर स्नान के दौरान हादसा, कानपुर के एक युवक की डूबने से मौत

खंडवा. तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में ब्रह्मपुरी घाट पर स्नान के दौरान एक हादसा हुआ है। नदी में नहाते समय गहरे पानी में चले जाने से एक युवक की मौत हो गई। उसे बचने में एक दोस्त भी डूबने लगा था, जिसे एसडीआरएफ जवान, नाविक और गोताखोरों ने बचा लिया।

कानपुर से 20 युवकों का दल ओंकारेश्वर ज्योर्तिलिंग के दर्शन करने आया था। शनिवार को सुबह सभी युवक ब्रह्मपुरी घाट पर स्नान कर रहे थे। घाट पर पानी कम होने से नदी में कुछ दूर जाकर युवक नहा रहे थे। तभी कानपुर निवासी कृष्णा पिता संतोष साहू (21) गहरे पानी में चला गया ओर डूबने लगा। यह देख उसे बचाने पास ही खड़े उसके दोस्त ने नदी में छलांग लगा दी। वह कृष्णा को बाहर निकालने का प्रयास कर रहा था, तभी कृष्णा ने घबराहट में उसे जकड़ लिया। इससे वह भी डूबने लगा। बीच वहां खड़े साथी लोगों को मदद के लिए पुकारते रहे। उनकी आवाज सुन एसडीआरएफ जवान, नाविक और गोताखोर आए। उन्होंने डूब रहे युवक को बचा लिया। कुछ देर बाद कृष्णा को भी बाहर निकाल लिया, लेकिन उसकी मौत हो गई थी। एसडीआरएफ के जवान का कहना है कि मैं ओर मेरा एक साथी ब्रह्मपुरी घाट पर ड्यूटी कर रहे थे। इस दौरान युवकों को गहरे पानी तरफ जाते देखा। उन्हें रोकने का प्रयास भी किया, बताया की वहां गहरा है उधर मत जाओ लेकिन वे नहीं माने। कुछ देर बाद हादसा हो गया। कानपुर से 20 युवकों का दल ओंकारेश्वर आया हुआ है। ब्रह्मपुरी घाट पर नहाते समय इस दल के एक युवक कृष्णा साहू की मौत हो गई। मर्ग कायम कर परिवार को जानकारी दे दी गई है।

जंगल माफियाओं की करतूत, वन अमले पर मिलीभगत का आरोप

धार जिले में जंगल माफिया द्वारा पेड़ों की अंधाधुंध कटाई के साथ खाली जमीन पर अवैध कब्जा किए जा रहे हैं। वहीं फॉरेस्ट विभाग वनों की सुरक्षा की जगह हाथ पर हाथ धरे बैठा है। ऐसा ही मामला मांडव रेंजर के सुलीबयड़ी क्षेत्र का सामने आया है। जहां कुछ दिनों से लकड़ी चोरों द्वारा रात के अंधेरे में कुल्हाड़ी से पेड़ों को काटकर लकड़ी चुरा ले गए। अभी तक दो से तीन सौ पेड़ों को काट दिया है, जिसके बाद ठूंठ बचे हुए हैं। यह पूरी मशक्कत जमीन को हथियाने के लिए हो रही है। ताकि कब्जे के बाद खेती की जा सके। उधर, ग्रामीणों का आरोप है कि डिप्टी रेंजर और वन अमले की मिलीभगत से कुछ लोगों द्वारा पेड़ों की कटाई की जा रही है। इसकी शिकायत ग्रामीणों ने पिछले दिनों विधायक कालूसिंह ठाकुर ने की। वन ग्राम समिति अध्यक्ष मनसुख डावर ने बताया कि उन्हें भी ग्रामीणों के माध्यम से पेड़ों की कटाई की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने विधायक के संज्ञान में लाया। जानकारी के अनुसर मांडव बिट की सुलीबयड़ी उतरकक्ष क्रं. 262 में यह कटाई की गई है। जहां जंगल में अब पेड़ों की जगह ठूंठ ही नजर आ रहे हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस वन नेशन, वन मिशन एण्ड प्लास्टिक पॉल्यूशन पर आधारित होगा- प्रमुख सचिव श्री कोठारी

एक पेड़ माँ के नाम'' का शुभारंभ 5 जून को

विभागीय अधिकारियों को समुचित कार्यवाही के दिये निर्देश

भोपाल विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जायेगा। प्रमुख सचिव पर्यावरण श्री नवनीत मोहन कोठारी ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस वन नेशन, वन मिशन एण्ड प्लास्टिक पॉल्यूशन पर आधारित होगा। श्री कोठारी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को समुचित कार्य करने के निर्देश दिये। प्रमुख सचिव श्री कोठारी ने कहा कि पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान का शुभारंभ किया जायेगा। साथ ही एकीकृत पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली पोर्टल का भी शुभारंभ होगा। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर राज्य वेटलैण्ड प्राधिकरण द्वारा तैयार प्रदेश के वेटलैण्ड्स एटलस का विमोचन किया जायेगा। श्री कोठारी ने बताया कि पीएचडी छात्रवृत्ति एवं मध्यप्रदेश वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार का वितरण भी कार्यक्रम में किया जायेगा। बैठक में मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव श्री अच्युदानंद मिश्रा और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

माँ अहिल्याबाई देवी,माता, लोकमाता, राजमाता, पुण्यश्लोका, प्रजा पालक, धर्म निष्ठ थी -श्री सावला

इंदौर माता अहिल्याबाई देवी, माता, लोकमाता, राजमाता,पुण्यश्लोका,व धर्म निष्ठ, न्याय पालक एवं सनातन धर्म रक्षक थी।उनका शासन आदर्श था एक राजमाता के रूप में राज्य का अद्भुत अविश्वसनीय अविस्मरणीय कुशलता पूर्वक संचालन किया जो आज भी अनुकरणीय है। उक्त प्रेरक ओजस्वी विचार चैतन्य भारत व गौ सेवा भारती द्वारा आयोजित माता अहिल्यादेवी की 300 वीं जन्मजयंती पर वि हि प के प्रखर वक्ता श्री हुकुमचंद चावला ने विट्ठल रुक्मिणी गार्डन में व्यक्त किये ।स्वयं के पुत्र को मृत्युदंड का निर्णय उनकी न्यायप्रियता का श्रेष्ठ उदाहरण है। देश भर में अनेक मंदिरों, घाटों, धर्मशालाओं आदि का निर्माण करवाया। उनका राज्य 18 हिस्सों में बँटकर 18 प्रांत थे उससमय सवा करोड़ राजस्व प्राप्त होता था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री लक्ष्मण नवाथे (बाबा साहब) ने माता अहिल्याबाई के शासन को सूराज, आदर्श बताया।इसके पूर्व मंच पर अतिथियों के साथ सर्व सीताराम व्यास, कैलाश चंद्र खण्डेलवाल,दिलीप जैन सेक्रेट्री राजन दुबे द्वारा मातोश्री के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम शुभारंभ हुआ। अतिथि द्वय का स्वागत किया गो-सेवा भारती के अध्यक्ष सुरेश पिंगले ने व चैतन्य भारत के अध्यक्ष नरेश वसाईनी, राजेंद्र असावा,स्वदेश राजोरिया,नीलेश जाधव, आदि ने। संचालन किया कान्तिभाई पटेल ने व आभार माना चैतन्य भारत के महामंत्री सुरेश पिंगले ने। यह जानकारी दी संगठन प्रभारी कैलाश चन्द्र खण्डेलवाल ने ।

हमसफर एक्सप्रेस से रहस्यमयी तरीके से लापता हुई महिला

इंदौर (नगर प्रतिनिधि) चेन्नई से इंदौर मायके आ रही हमसफर एक्सप्रेस में 25 वर्षीय विवाहित महिला रहस्यमयी परिस्थितियों में लापता हो गई। मोबाइल लोकेशन जयपुर में ट्रेस हुई है। परिजनों के मुताबिक, महिला को 28 मई की सुबह चेन्नई रेलवे स्टेशन से ट्रेन में बैठाया था। बी-7 कोच की सीट नंबर 71 पर उसका रिजर्वेशन था। स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज में वह पति के साथ प्लेटफॉर्म की ओर जाती हुई नजर आई। पति का कहना है, पत्नी को ट्रेन में बैठाकर वापस लौट गया। 29 मई की दोपहर जब ट्रेन इंदौर पहुंची तो सीट खाली थी। परिजन ने जीआरपी इंदौर को सूचना दी। रास्ते में पड़ने वाले बैतूल, इटारसी, भोपाल और रतलाम स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। जीआरपी थाना प्रभारी रश्मि पाटीदार ने बताया, मामले में नया मोड़ तब आया जब 30 मई की शाम 7 बजे महिला का मोबाइल जयपुर में एक्टिव हुआ। यह जानकारी मिलने के बाद संदेह और गहरा गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सोनल मेहता केलिए प्रतीक्षा ग्राफिक्स, 127 देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 209-बी शहनाई रेसीडेंसी-2 कनाड़िया रोड इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक: डॉ. सोनल मेहता फोन : 0731-2595008 Mail.sonal12mehta@yahoo.co.in 9755040008